



VISIONIAS
INSPIRING INNOVATION
ABHYAAS MAINS

सामान्य अध्ययन (प्रश्न पत्र-IV)/GENERAL STUDIES (Paper-IV) (2931)

निर्धारित समय: तीन घंटे
Time Allowed: **Three Hours**

अधिकतम अंक: 250
Maximum Marks: 250

सामान्य अनुदेश

इस प्रश्न-सह-उत्तर (क्यू.सी.ए.) पुस्तिका में 62+2 पृष्ठ हैं। प्रश्न-पत्र, क्यू.सी.ए. पुस्तिका के अंत में संलग्न है, जो अलग (वियोज्य) किया जा सकता है और उम्मीदवार परीक्षा के उपरांत अपने साथ ले जा सकते हैं।

रफ कार्य के लिए, इस पुस्तिका के अंत में खाली पृष्ठ दिया गया है।

पुस्तिका प्राप्त होने पर, कृपया यह जांच कर लें कि इस क्यू.सी.ए. पुस्तिका में कोई कमी न हो, फटा हुआ पृष्ठ न हो अथवा कोई पृष्ठ गायब न हो इत्यादि। यदि ऐसा हो, तो इसके बदले नई क्यू.सी.ए. पुस्तिका प्राप्त कर लें।

General Instructions

This Question-Cum-Answer (QCA) Booklet contains 62+2 pages. Question Paper in detachable form is available at the end of the QCA Booklet which can be taken away by the candidate after examination.

For rough work, blank page has been provided at the end of this Booklet.

On receipt of the Booklet, please check that this QCA Booklet does not have any shortcomings, torn or missing pages etc. If, so, get it replaced with a fresh QCA Booklet.

(उम्मीदवार द्वारा भरा जाएगा/To be filled by the Candidate)

पंजीकरण सं./Registration No. : 01522550

अभ्यर्थी का नाम/Name of Student : AMAN TIWARI

माध्यम: हिंदी/अंग्रेजी
Medium: Hindi/English


ENGLISH

तारीख
Date

25/08/2024

**सामान्य अध्ययन (प्रश्न पत्र-IV)
GENERAL STUDIES (Paper IV)**

केंद्र
Centre **VISION IAS,
HYDERABAD**


निरीक्षक के हस्ताक्षर
Invigilator's Signature

	<p style="text-align: center;">महत्वपूर्ण अनुदेश</p> <p>उम्मीदवारों को नीचे उल्लिखित निर्देश सावधानी से पढ़ लेने चाहिए। किसी भी निर्देश का उल्लंघन करने पर उम्मीदवारों को मिलने वाले अंकों में कटौती, उम्मीदवारी रद्द या आयोग के परवर्ती परीक्षाओं के लिए वर्जित करने इत्यादि के रूप में दण्डित किया जा सकता है।</p>	<p style="text-align: center;">Important Instructions</p> <p>Candidates should read the undermentioned instructions carefully. Violation of any of the following instructions may entail penalty in the form of deduction of marks, cancellation of candidature, debarment from further Examination of the Commission etc.</p>
1	<p>(क) अपना पंजीकरण सं. एवं अन्य विवरण केवल प्रश्न-सह-उत्तर पुस्तिका (क्यू.सी.ए.) में उम्मीदवार के लिए निर्धारित स्थान पर ही लिखें।</p> <p>(ख) इस पुस्तिका में अन्यत्र कहीं भी अपना नाम, पंजीकरण सं., मोबाइल नं., पता अथवा प्रश्न-सह-उत्तर पुस्तिका (क्यू.सी.ए.) संख्या न लिखें जिससे आपकी पहचान का खुलासा हो।</p>	<p>(a) Write your Registration Number and other details only in the space provided in the Question-Cum-Answer (QCA) Booklet for candidates.</p> <p>(b) Do not disclose your identity in any manner such as, by writing your Name, Registration number, Mobile number, Address, Question-Cum-Answer (QCA) Booklet No. etc. elsewhere in the Booklet</p>
2	<p>अपनी प्रश्न-सह-उत्तर पुस्तिका में कहीं भी प्रश्नों के वास्तविक उत्तर के अतिरिक्त कुछ न लिखें जैसे कि कोई कविता/दोहा, अभद्र या अपमानजनक अभिव्यक्ति इत्यादि और न ही कोई ऐसा चिन्ह/निशान बनाएं जिसका उत्तर से सम्बन्ध न हो।</p>	<p>Do not write in the QCA Booklet anything other than the actual answer such as couplet, obscene, abusive expression etc., nor put any sign/mark having no relevance to the answer.</p>
3	<p>परीक्षक को प्रत्यक्ष/अप्रत्यक्ष रूप से कोई भी प्रार्थना/धमकी भरी बातें न लिखें।</p>	<p>Do not make any direct/indirect appeal/threat to the examiner.</p>
4	<p>उत्तर अस्पष्ट अथवा गंदी लिखावट में न लिखें। इस प्रकार के उत्तर का मूल्यांकन नहीं भी किया जा सकता है।</p>	<p>Do not write answers in bad/illegible handwriting. Such answers may not be evaluated.</p>
5	<p>उत्तर स्याही में ही लिखें। उत्तर लिखने के लिए पेंसिल का उपयोग न करें, हालांकि आरेख, चित्र इत्यादि बनाने के लिए पेंसिल का उपयोग किया जा सकता है।</p>	<p>Write answers in ink only. Do not use pencil for writing the answers. However, pencil may be used for drawing diagrams, sketches, etc.</p>
6	<p>प्रवेश पत्र में उल्लेख किए गए माध्यम के अलावा अन्य किसी माध्यम में उत्तर न लिखें। अधिकृत और अनधिकृत की मिली जुली भाषा का भी उपयोग न करें।</p>	<p>Do not write answers in medium other than the authorized medium in the Admission Certificate. Do not use mixed language either i.e. authorize and unauthorized media together for writing answers.</p>
7	<p>प्रश्नों के उत्तर ठीक उसके नीचे दिए गए निर्धारित स्थान पर ही लिखें। निर्धारित स्थान के अलावा किसी अन्य स्थान पर लिखे गए उत्तर का मूल्यांकन नहीं किया जाएगा।</p>	<p>Write answer at the specific space (right below the question) only. Answers written elsewhere at unspecified places in the booklet shall not be evaluated.</p>
8	<p>यदि आप अपने किसी उत्तर को रद्द करना चाहते हैं तो उसे पेन से काट दें तथा उस पर "रद्द" लिख दें, अन्यथा उसका मूल्यांकन किया जा सकता है।</p>	<p>If you wish to cancel any work, draw your pen through it and write "Cancelled" across it, otherwise it may be valued.</p>

कार्यालय के प्रयोग हेतु For Official Use	कार्यालय के प्रयोग हेतु For Official Use
परीक्षक के हस्ताक्षर Signature of Examiner(s)	

प्राप्तांक के विवरण (परीक्षक द्वारा भरा जाए)/ Marks Details (To be filled by the Examiner(s))

प्रश्न सं. Q. No.	अंक Marks		प्रश्न सं. Q. No.	अंक Marks	
1(a)			6 (a)		
1(b)			6 (b)		
2(a)			7		
2(b)			8		
3(a)			9		
3(b)			10		
3(c)			11		
4(a)			12		
4(b)					
5(a)					
5(b)					
उप-योग (A) Subtotal (A)			उप-योग (B) Subtotal (B)		
सकल योग (A+B) / GRAND TOTAL (A+B)					



VISIONIAS
INSPIRING INNOVATION
ABHYAAS MAINS

सामान्य अध्ययन (प्रश्न पत्र-IV)/GENERAL STUDIES (Paper-IV) (2931)

निर्धारित समय: तीन घंटे
Time Allowed: **Three Hours**

अधिकतम अंक: 250
Maximum Marks: **250**

प्रश्न-पत्र संबंधी विशेष अनुदेश

कृपया प्रश्नों के उत्तर देने से पूर्व निम्नलिखित प्रत्येक अनुदेश को ध्यानपूर्वक पढ़ें:

इसमें बारह प्रश्न हैं जो दो खण्डों में विभाजित हैं तथा हिंदी और अंग्रेजी दोनों में छपे हुए हैं।

सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

प्रत्येक प्रश्न/भाग के अंक उसके सामने दिए गए हैं।

प्रश्नों के उत्तर उसी प्राधिकृत माध्यम में लिखे जाने चाहिए जिसका उल्लेख आपके प्रवेश-पत्र में किया गया है, और इस माध्यम का स्पष्ट उल्लेख प्रश्न-सह-उत्तर (क्यू.सी.ए.) पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर निर्दिष्ट स्थान पर किया जाना चाहिए। प्राधिकृत माध्यम के अतिरिक्त अन्य किसी माध्यम में लिखे गए उत्तर पर कोई अंक नहीं मिलेंगे।

प्रश्नों में इंगित शब्द सीमा को ध्यान में रखिए।

प्रश्न-सह-उत्तर पुस्तिका में खाली छोड़ा हुआ पृष्ठ या उसके अंश को स्पष्ट रूप से काटा जाना चाहिए।

QUESTION PAPER SPECIFIC INSTRUCTIONS

Please read each of the following instructions carefully before attempting questions:

There are TWELVE questions divided in TWO SECTIONS and printed both, in HINDI and in ENGLISH.

All questions are compulsory.

The number of marks carried by a question/part is indicated against it.

Answers must be written in the medium authorized in the Admission Certificate which must be stated clearly on the cover of this Question-cum-Answer (QCA) Booklet in the space provided. No marks will be given for answers written in a medium other than the authorized one.

Keep the word limit indicated in the questions in mind.

Any page or portion of the page left blank in the Questions-cum-Answer Booklet must be clearly struck off.

EVALUATION INDICATORS

1. Contextual Competence
2. Content Competence
3. Language Competence
4. Introduction Competence
5. Structure - Presentation Competence
6. Conclusion Competence

Overall Macro Comments / feedback / suggestions on Answer Booklet:

1.

2.

3.

4.

5.

6.

All the Best

1. (a)

साध्य साधनों को उचित नहीं ठहरा सकता है, इसका सरल और स्पष्ट कारण यह है कि प्रयुक्त साधन ही प्राप्त होने वाले साध्यों की प्रकृति निर्धारित करते हैं। उपयुक्त उदाहरणों के साथ विवेचना कीजिए। (150 शब्दों में उत्तर दीजिए)

The end cannot justify the means, for the simple and obvious reason that the means employed determine the nature of the ends produced. Discuss with suitable examples. (Answer in 150 words)

10

In order to determine the ethicality of any action, means and ends are generally the 2 factors that play a major role.

Deontology → ends don't justify means.

Teleology → ends justify means.

Ends cannot justify means as means employed determine nature of ends produced

उम्मीदवारों को
इस हार्शिए में
नहीं लिखना
चाहिए
Candidates
must not
write on
this margin

VisionIAS

1. (b)

चर्चा कीजिए कि कानून एवं नैतिकता के बीच का संबंध किस प्रकार गतिशील होता है और सामाजिक परिवर्तनों द्वारा निरंतर आकार ग्रहण करता है। इस गतिशील संबंध को स्पष्ट करने के लिए उदाहरण प्रस्तुत कीजिए। (उत्तर 150 शब्दों में दीजिए)

Discuss how the relationship between law and ethics is dynamic and continuously shaped by societal changes. Provide examples to illustrate this dynamic relationship. (Answer in 150 words)

10

Ethics is the study of human actions from a moralistic perspective while laws are external sanctions that are imposed by the authority on its citizens.

Laws and ethics have a dynamic relationship influenced by societal changes

Laws are generally ethical in nature as they are usually in line with societal norms, which are ethical to great degree.

Example - Killing, theft, rape etc are unethical and thus illegal also.

However, it is not necessary that what is ethical for a particular time might also be legal.

~~Example~~ → Before 1865, ~~slavery~~

Example → Robinhood might not be legal as it is akin to theft but consequential ethics justifies it as legal.

Similarly, at one time sati was considered to be ethical and in line with religion but the 1829 Bengal Sati Regulation act declared it illegal ⇒ Resulted in slowly sati becoming unethical.

Similarly, laws are enacted to make things illegal so that society stops them despite knowing unethicality.

Eg → Dowry Prohibition Act, 1961.
↳ Domestic Violence Act, 2005.

Many a times, ethical things become legal only when a law is enacted.

Eg - Good Samaritan law in motor vehicle act.

Thus, the relationship between laws and ethics is totally dynamic and shaped by societal changes.

2. (a)

उपयुक्त उदाहरणों के साथ शुचिता (प्रोबिटी) और सत्यनिष्ठा के बीच अंतर स्पष्ट कीजिए। ये मूल्य सिविल सेवाओं में नैतिक अभिशासन और निर्णय-निर्माण में किस प्रकार योगदान देते हैं? (उत्तर 150 शब्दों में दीजिए)

Differentiate between probity and integrity with suitable examples. How do these values contribute to ethical governance and decision-making in the civil services? (Answer in 150 words)

10

Probity involves strict adherence to values and principles despite being aware of the consequences that it entails.

while integrity means rightness that transcends space and time.

Difference between probity and integrity

① Probity encompasses all foundational values that is required in civil services while integrity covers only one aspect.

② A person who follows probity automatically follows integrity but a person with integrity might not follow probity.

Example → A person with integrity might deny PDS to a starving family in absence of ration card.
(Rigid attitude + stickness to rules)

However a person with probity will show compassion to allow exceptions (flexible attitude).

③ A person with probity will have democratic attitude as opposed to bureaucratic attitude for integrity.

Values contributing to ethical governance & decision making

① It will ensure a civil servant not indulges in corruption.

② Will ensure participatory governance through RTIs, social audits.

③ Compassion will help in empathetic attitude towards marginalised.

Thus, probity and integrity are very important to ensure Su-raj or good governance.

2. (b)

लोक प्रशासन में सूचना को गुप्त बनाए रखने के नैतिक निहितार्थों पर चर्चा कीजिए। पारदर्शिता किस प्रकार सरकारी संस्थाओं में जवाबदेही को बढ़ा सकती है और भ्रष्टाचार को कम कर सकती है? (उत्तर 150 शब्दों में दीजिए)

Discuss the ethical implications of withholding information in public administration. How can transparency enhance accountability and reduce corruption in government institutions? (Answer in 150 words)

10

Transparency is one of the hallmarks of ethical governance and it helps in enhancing accountability and reducing corruption.

Ethical implications of withholding information

- ① Misappropriation of public funds in scams. Eg - CWC scam, 2G scam etc.
- ② Corruption in the government institutions.
(Eg - Recently 2 IAS officers in MP suspended for disproportionate assets)
- ③ Loss of public trust which can lead to protests and agitations.
(Eg - Majdoor^{Kisan} Shakti Sangathan's agitation for bringing RTI)
- ④ Can result in possible quid pro quo in tender allocations by not declaring conflict of interest.

Transparency in enhancing accountability and reducing corruption

- ① It helps in disclosing potential conflict of interests
- ② Any case of mismanagement of public funds comes to light.
- ③ Ensures proper inquiry and results in strengthening of laws
(eg - Satyam scandal 2009 and subsequent amendment of Companies Act)

Thus, through steps like RTI the government should ensure transparency to ensure ethical governance.

3. निम्नलिखित में से प्रत्येक उद्धरण का आपके विचार से क्या अभिप्राय है?

What do each of the following quotations mean to you?

(a) "एक सभ्य घर के बराबर कोई स्कूल नहीं है और सद्गुणी माता-पिता के बराबर कोई शिक्षक नहीं है।"- महात्मा गांधी (उत्तर 150 शब्दों में दीजिए)

"There is no school equal to a decent home and no teacher equal to a virtuous parent."- Mahatma Gandhi (Answer in 150 words)

10

The above quote talks about the important role of family as a primary agency of socialization.

No school equal to decent home
and no teacher equal to virtuous
parent

- ① Home serves as the first stage of socialisation for any child.
- ② A virtuous mother teaches a child values like kindness, love, compassion, honesty etc.
- ③ This enables a child to develop soft corner for marginalized.
- ④ A virtuous father teaches a child values like courage, responsibility.
- ⑤ This enables a child to face any adversity.

Eg - Mahaveer Singh Phogat in life of Phogat sisters.

Eg - Putlibai's role in life of Mahatma Gandhi by teaching him selflessness.

However, there are other agencies of socialization too →

① Teacher - it teaches a child time-management and removes prejudice

② Religion → shows the way of life (Eg - Madhyam marg of Buddhism)

Thus, all agencies combined together ensures a value-based education for the child to become a responsible citizen

3. (b)

“हर कोई दुनिया को बदलने के बारे में सोचता है, लेकिन कोई भी खुद को बदलने के बारे में नहीं सोचता।” -
लियो टॉल्स्टॉय (उत्तर 150 शब्दों में दीजिए)

"Everyone thinks of changing the world, but no one thinks of changing himself." - Leo Tolstoy
(Answer in 150 words)

10

VisionIAS

उम्मीदवारों को
इस हार्शिए में
नहीं लिखना
चाहिए
Candidates
must not
write on
this margin

VisionIAS

3. (c)

"जो सही है उसे देखकर भी उसे न करना कायरता है।" - कन्फ्यूशियस (उत्तर 150 शब्दों में दीजिए)

"To see what is right and not do it is a lack of courage." - Confucius (Answer in 150 words) 10

In the above quote, Confucius mightly emphasizes on the fact that lack of courage is the lack of ability to do the right thing.

What it means to me →

① Courage not only involves bravery but also ethicality.

Eg - A person helping an injured person on road is courageous.

② Courage involves the will to do right thing no matter the consequences.

Eg - Lal Bahadur Shastri taking the responsibility and resigning due to train accident.

③ Courage involves doing the right thing at the right time.

Eg - Sam Manekshaw deciding not to fight in April 1971 but rather in December 1971.

④ Courage involves doing the right thing even if it costs you your life.

Eg - Shanmugam Manjunath exposed corruption in IOCL but was shot for it.

As Napoleon has rightly said, 'The world suffers not because of violence of bad but because of silence of good'. Thus, courage needs to be developed in society.

4. (a)

किसी व्यक्ति में सकारात्मक अभिवृत्ति उत्पन्न करने वाले कारक कौन-से हैं? सकारात्मक अभिवृत्ति सिविल सेवकों को अपने कर्तव्यों के निर्वहन में उनकी कार्यक्षमता को कैसे बढ़ाती है? (उत्तर 150 शब्दों में दीजिए)

What factors lead to a positive attitude in a person? How does positive attitude enhance the effectiveness of civil servants in performing their duties? (Answer in 150 words)

10

Attitude can be defined as a predisposed agency that affects the opinion of a person in a consistently positive and/or negative manner towards a particular object.

Factors leading to development of positive attitude in person

- ① Correct socialization by developing positive values in a person.
Eg - Kindness, love, empathy, responsibility etc.
- ② Rewarding the person for displaying positive attitude and punishment for negative attitude.
- ③ Role-playing - For eg - children developing patriotic attitude towards country by playing characters in independence day functions.
- ④ Observational learning - by looking at how parents, teachers, friends behave towards a particular object.

(eg - If father has 'chalta hai' attitude towards corruption, children also develop the same.)

Positive attitude enhancing the effectiveness of civil servants in performing their duties

① It motivates them so that they don't lose hope in face of failures.

(eg - Indian army winning 1965 war despite losing in 1962)

② It enables them to find unique solutions in case of challenges.

(eg - Armstrong Parre, using crowd-sourcing to build 100 km road)

Thus, as rightly pointed out by Zig Ziglar - 'It is your attitude, not aptitude, that determines your attitude'.

4. (b)

चर्चा कीजिए कि भावनात्मक बुद्धिमत्ता सीमित सार्वजनिक संसाधनों के आवंटन से संबंधित नैतिक निर्णयन को किस प्रकार प्रभावित कर सकती है। (उत्तर 150 शब्दों में दीजिए)
Discuss how emotional intelligence can influence ethical decision-making in the allocation of scarce public resources. (Answer in 150 words)

10

According to Mayer and Salovey, emotional intelligence involves the perception, assimilation, understanding and management of emotions in a positive way.

Role of emotional intelligence in influencing ethical decision-making in public resource allocation

① It will enable civil servants to find innovative solutions to beat the resource crunch.

Eg - IAS Arunish Saran devising the bike ambulance idea for tribal healthcare in affordable manner.

② It will ensure solutions that are sustainable and long-lasting even in less finances.

Eg - IAS Shashanka Aha's 'My School, My Farm' initiative in Mizoram to overcome the supply chain constraints.

③ It will generate empathy among them to sacrifice personal comforts for citizen care
Eg - IAS S Somwanshi, MP cadre donating office ACs to tribal children care centres.

④ In lack of public resources, the civil servants can use public empathy to benefit the marginalised
Eg - IAS Prasanth Nair's, Operation Sulaimani in Kerala district to involve public in averaging food for poor.

⑤ Overcoming crisis of conscience.
Eg - Giving PDS ration to a starving family not having ration card.

Thus, emotional intelligence will help the civil servants in ensuring Aristotle's SUMMUM BONUM (highest good).

5. (a)

विभिन्न अंतर्राष्ट्रीय मानवतावादी संगठन विश्व भर के संघर्षग्रस्त क्षेत्रों में आपातकालीन सहायता प्रदान करते हैं। ऐसे संगठनों द्वारा सामना की जाने वाली नैतिक चुनौतियों पर प्रकाश डालिए। अंतर्राष्ट्रीय मानवतावादी कार्यों के मार्गदर्शक सिद्धांत कौन-से हैं? (उत्तर 150 शब्दों में दीजिए)

Various international humanitarian organizations provide emergency aid in conflict zones around the world. Highlight the ethical challenges faced by such organizations. What are the principles that guide international humanitarian work? (Answer in 150 words)

10

उम्मीदवारों को
इस हार्जिए में
नहीं लिखना
चाहिए
Candidates
must not
write on
this margin

VisionIAS

उम्मीदवारों को
इस हार्शिए में
नहीं लिखना
चाहिए
Candidates
must not
write on
this margin

VisionIAS

5. (b)

अनुनय को सिविल सेवकों के लिए एक महत्वपूर्ण कौशल क्यों माना जाता है? गवर्नेंस में अनुनय को मार्गदर्शित करने वाले मुख्य विचार क्या हैं? (उत्तर 150 शब्दों में दीजिए)

Why is persuasion regarded as an important skill for civil servants? What are the key considerations that should guide persuasion in governance? (Answer in 150 words)

10

Persuasion refers to the change in thought, behaviour, attitude of a individual / group through means of direct communication

Persuasion as an important skill for civil servants

① In order to bring conformity among people with respect to progressive changes

Eg - Swachh Bharat Abhiyan.

② To diffuse social conflicts

Eg - IAS N Prasanth in relocating street market in Kozhikode.

Key considerations to guide persuasion

① literacy level of speaker to device appropriate methods.

(Eg - Bultoo experiment for tribal areas)

- ② Polarization among people.
- ③ Sensitivity of the topic.

उम्मीदवारों को
इस क्राशिए में
नहीं लिखना
चाहिए
Candidates
must not
write on
this margin

VisionIAS

6. (a)

विशेष रूप से लोक सेवा में, भ्रष्टाचार पर अंकुश लगाने में नैतिक नेतृत्व क्या भूमिका निभा सकता है? (उत्तर 150 शब्दों में दीजिए)

What role can ethical leadership play in curbing corruption, especially in public service? (Answer in 150 words)

10

World Bank defines corruption as the 'misuse of public authority / funds for private gains'. It affects public trust and leads to misappropriation of scarce resources.

Ethical leadership can play a very important role in curbing corruption

Role of ethical leadership in curbing corruption in public service

① Ethical leadership can expose instances of corruption to create deterrence.

Eg - Former CAG, Vinod Rai coming up with reports on 2G scam and coal scam.

② Such a leadership will have courage to face adverse consequences for exposing corruption.

Eg - IAS Ashok Khemka, despite being transferred 50 times continues to do so.

③ Will ensure that black money of corruption cannot be used in elections

thus, destroying any incentive.

Eg - IAS TN Sheshan strictly imposing
the Model Code of Conduct.

④ Will generate compassion among their
lower colleagues which might dissuade
them from finding personal gains.

⑤ Will shield honest junior officers
from adverse action by political
executive.

Eg - IAS Anil Swaroop himself getting
transferred for not taking action
against honest officers.

⑥ Will act as role model for the
younger bureaucrats.

Thus, an ethical leadership
is a sine qua non of curbing
corruption and upholding Nishkama
Karma.

6. (b)

स्वामी दयानंद सरस्वती की प्रमुख शिक्षाएं क्या थीं? वर्तमान समय में, भारत में विद्यमान नैतिक एवं सामाजिक चुनौतियों से निपटने के लिए उनकी प्रासंगिकता की व्याख्या कीजिए। (उत्तर 150 शब्दों में दीजिए)
What were the major teachings of Swami Dayanand Saraswati? Explain their relevance in addressing the current ethical and social challenges in India. (Answer in 150 words)

10

Swami Dayanand Saraswati, the disciple of the great teacher Ramakrishna Paramahansa, was a great socio-religious reformer who founded the Ramakrishna mission.

Teachings of Swami Dayanand Saraswati

① He asked people not to spread hatred

'Do not hate anyone. Because hate that comes out of you, must in the long run, come back to you'

— Dayanand Saraswati.

② He embraced change towards modern values of rationality and equality.

'Change is the law of motion and stagnation leads to degeneration'

— Dayanand Saraswati

in World Religion Conference (1893)

③ He advised people to think positively and carefully.

'Words are temporary but thoughts live and they travel far'.

Current relevance

① Hatred → With increasing religious and caste-based polarization, violence is happening
Eg- Nuh riots in Haryana, 2023

② Rationality and Equality → to counter age old decadent norms of patriarchy and modern notion of covert untouchability (Satish Deshpande)

③ Think positively → with all the stress, depression and anxiety due to increased materialism.

Thus, Swami Dayanand Saraswati was a great philosopher whose words will remain relevant for ages to come.

7.

मरियम एक प्रतिभाशाली और दृढ़ निश्चयी इंजीनियर है। हाल ही में, उसे XYZ Corp में काम पर रखा गया था, जो कि मुख्य रूप से पुरुष कर्मचारियों वाली एक प्रसिद्ध विनिर्माण कंपनी है। यह नौकरी मरियम के लिए एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है, क्योंकि इसमें उसे अच्छा वेतन प्राप्त होता है जिससे उसे और उसके परिवार को आर्थिक रूप से सहायता मिलती है।

प्रारंभ में मरियम अपनी नई भूमिका को लेकर उत्साहित थी, लेकिन उसका उत्साह जल्द ही समाप्त हो गया, जब उसे कई सहकर्मियों द्वारा किए जाने वाले यौन उत्पीड़न का सामना करना पड़ा। उत्पीड़न में उसके रूप-रंग के बारे में अनुचित टिप्पणियों से लेकर अवांछित प्रस्ताव और अश्लील संदेश शामिल थे। मरियम ने कई बार इन घटनाओं के बारे में अपने प्रत्यक्ष पर्यवेक्षक को भी सूचित किया, लेकिन पर्यवेक्षक ने उसकी चिंताओं को यह सुझाव देते हुए खारिज कर दिया, कि वह इन टिप्पणियों को हानिरहित मजाक और कार्यस्थल संस्कृति का हिस्सा समझे।

जैसे-जैसे उत्पीड़न निरंतर तीव्र हुआ, मरियम का कार्य-निष्पादन प्रभावित होने लगा। साथ ही, इससे उसके तनाव में भी निरंतर वृद्धि होती गई, वह लगातार तनाव में रहने लगी वह अपने काम पर ध्यान केंद्रित करने में असमर्थ हो गई तथा टीम मीटिंग और सहयोगियों वाले प्रोजेक्ट्स में असहज महसूस करने लगी। असुरक्षित कार्य परिवेश उसके मानसिक स्वास्थ्य और करियर की संभावनाओं पर भारी पड़ता जा रहा था।

करण उसका एक सहकर्मी है, जिसने मरियम के साथ ही XYZ Corp में जॉइन किया था। उसने मरियम के व्यवहार में परिवर्तन और अपने सहकर्मियों के अनुचित व्यवहार को नोटिस किया। वह और मरियम मित्र बन गए थे, वे अक्सर कार्य से संबंधित मुद्दों पर चर्चा करते थे और अपने प्रोजेक्ट में एक-दूसरे की सहायता करते थे। करण इस स्थिति के बारे में अत्यधिक चिंतित था लेकिन उसे समझ नहीं आ रहा था कि मरियम के लिए स्थिति को बदतर किए बिना कैसे हस्तक्षेप किया जाए।

एक दिन, मरियम को टीम के एक वरिष्ठ सदस्य से एक बेहद अपमानजनक संदेश प्राप्त हुआ, जिससे वह कई घंटों तक रोती रही। मरियम अत्यधिक व्याकुल अवस्था में ब्रेक रूम में बैठी थी, करण ने वहां जाकर उसे सांत्वना दी। उसके साथ हुए उत्पीड़न की पूरी कहानी सुनने के बाद, करण ने उसे POSH (यौन उत्पीड़न की रोकथाम) अधिनियम के तहत शिकायत दर्ज करने का सुझाव दिया। उसने बताया कि यह अधिनियम उसके जैसे कर्मचारियों की सुरक्षा के लिए बनाया गया है और कंपनी कानूनी रूप से ऐसी शिकायतों से निपटने के लिए बाध्य है।

हालांकि, प्रतिशोध और अपनी नौकरी जाने के भय से मरियम ने शिकायत दर्ज कराने से इनकार कर दिया। उसने चिंता व्यक्त की कि उसे एक अशांति उत्पन्न करने वाले (Troublemaker) कर्मचारी के रूप में लेबल किया जा सकता है और इससे इंडस्ट्री में उसके भावी करियर पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है। मरियम ने यह भी उल्लेख किया कि उसका परिवार उसकी आय पर निर्भर है और वह अपनी नौकरी खोने का जोखिम नहीं उठा सकती।

करण को ज्ञात है कि POSH अधिनियम पीड़ित महिला की ओर से किसी अन्य व्यक्ति को भी शिकायत दर्ज करने की अनुमति देता है। वह स्वयं इस घटना की रिपोर्ट करने पर विचार कर रहा है। उसका मानना है कि मरियम और अन्य महिला कर्मचारियों की सुरक्षा के लिए असुरक्षित कार्य परिवेश को सही करने की आवश्यकता है। हालांकि, वह मरियम पर इसके पड़ने वाले प्रभाव के बारे में चिंतित है, खासकर उसके आगे आने की अनिच्छा को देखते हुए।

यह स्थिति तब और जटिल हो गई, जब करण ने हाल ही में एक बातचीत सुनी जिसमें सुझाव दिया गया था कि XYZ Corp एक बड़े विस्तार की योजना बना रहा है, जिससे कर्मचारियों को पदोन्नति और नए अवसर प्राप्त हो सकते हैं। उसे चिंता है कि शिकायत दर्ज करने से न केवल मरियम की वर्तमान स्थिति बल्कि कंपनी के भीतर उसकी भविष्य की संभावनाएं भी खतरे में पड़ सकती हैं।

- (a) मरियम की इच्छा के विरुद्ध घटना की रिपोर्ट करने का निर्णय लेने में करण द्वारा सामना की जाने वाली नैतिक दुविधा पर चर्चा कीजिए।
- (b) करण के समक्ष उपलब्ध विकल्पों का मूल्यांकन कीजिए। इनमें से उसे कौन-सा विकल्प चुनना चाहिए और क्यों?
- (c) यौन उत्पीड़न को रोकने और उसका समाधान करने तथा समावेशी कार्यस्थल परिवेश का निर्माण करने में XYZ Corp जैसे संगठनों की क्या ज़िम्मेदारियां हैं? (250 शब्दों में उत्तर दीजिए)

Mariyam, a talented and driven engineer, was recently hired at XYZ Corp, a well-known manufacturing company with a predominantly male workforce. This job was a significant achievement for Mariyam, as it offered a good salary that supports her and her family financially.

Initially excited about her new role, Mariyam's enthusiasm quickly faded as she began experiencing sexual harassment from several colleagues. The harassment ranged from inappropriate comments about her appearance to unwanted advances and suggestive messages. Mariyam occasionally confided to her direct supervisor about these incidents, but he dismissed her concerns, suggesting she view these comments as harmless jokes and part of the workplace culture.

As the harassment continued and intensified, Mariyam's job performance began to suffer. She found herself constantly stressed, unable to concentrate on her work, and increasingly uncomfortable in team meetings and collaborative projects. The toxic work environment was taking a toll on her mental health and career prospects.

Karan, a colleague who joined XYZ Corp around the same time as Mariyam, noticed the change in her demeanor and the inappropriate behavior of their coworkers. He and Mariyam had become friends, often discussing work-related matters and supporting each other in their projects. Karan was deeply concerned about the situation but felt unsure about how to intervene without making things worse for Mariyam.

One day, Mariyam received an exceptionally offensive message from a senior team member, leaving her in tears for several hours. Karan found her in the break room, visibly distraught, and spent time consoling her. After hearing the full extent of the harassment she had been enduring, Karan suggested she file a complaint under the POSH (Prevention of Sexual Harassment) Act. He explained that the Act was designed to protect employees like her and that the company was legally obligated to address such complaints.

However, Mariyam, fearing retaliation and the potential loss of her job, refused to lodge the complaint. She expressed concerns about being labeled a troublemaker and worried that it might affect her future career prospects in the industry. Mariyam also mentioned that her family was dependent on her income, and she could not risk losing her job.

Karan is aware that the POSH Act permits lodging a complaint on behalf of the aggrieved woman. He is considering reporting the incident himself, believing that the toxic work environment needs to be addressed for the sake of Mariyam and other female employees. However, he is wary about the impact this may have on Mariyam, especially given her reluctance to come forward.

Adding to the complexity of the situation, Karan recently overheard a conversation suggesting that XYZ Corp is planning a major expansion, which could lead to promotions and new opportunities for employees. He worries that filing a complaint might jeopardize not only Mariyam's current position but also her future prospects within the company.

- (a) Discuss the ethical dilemma Karan faces in deciding whether to report the incident against Mariyam's wishes.
- (b) Evaluate the options available to Karan. Which of these options should he choose and why?
- (c) What responsibilities do organizations like XYZ Corp have in preventing and addressing sexual harassment and creating inclusive workplace environments? (Answer in 250 words)20

POSH Act was enacted in 2013 to prevent such kinds of sexual harassments as shown in the case study, but retaliation fears and job loss fears have dented its effective implementation as described.

(a) Ethical dilemma faced by Karan

① Risking friendship in case of job loss v/s reporting rights violations of the friend.

② Personal gain v/s Professional integrity
↳ as company might give promotion in expansion but reporting will jeopardise it.

③ Saving Mariyam's career prospects v/s ensuring ethical work environment
↳ As reporting might lead to job losses and dent career prospects for Mariyam.

④ loyalty towards ethics v/s loyalty towards company.

↳ As reporting, might ruin the reputation of company.

⑥ Options available to Karan

Option 1 - Ignore the situation and just offer condolences.

Pros

- No harm to job prospects of him / Mariyam.
- Company expansion might result in promotions.

Cons

- Continued harassment of Mariyam.
- Mental health of Mariyam deteriorates
- Against work ethics

Option 2 - File complaint under the POSH Act on Mariyam's behalf.

Pros

- Inquiry against sexual harassment of Mariyam.
- Punishment to offenders
- Future precedent for other employees to stand against sexual harassment.

Cons

- Reputation damage of company
- Mariyam's job loss
- Promotion in jeopardy

Karan should choose Option 2 because it stands in line with Kant's categorical imperative. Sexual harassment violates universality principle. Moreover, Karan not reporting will be equally complicit in law violation.

② Responsibilities of organisations in preventing sexual harassment

① According to POSH Act,

- Internal Complaints Committee (ICC) should be formulated for >10 employees
- Head of ICC should be a senior female member.
- Prominently display POSH Act provisions in workplace.

② Assurance of compensation should be provided in case of sexual harassment.

③ Sensitization of all employees towards creation of safe workplaces

④ Regular training in such ethical practices.

⑤ Encourage reporting of sexual harassment among female and other employees.

These measures will help in boosting the Female labour force participation and ensure that women are respected at workplaces.

VisionIAS

8.

जय एक सिविल सेवक है जिसे एक वर्ष पूर्व राज्य के शिक्षा विभाग में आयुक्त के रूप में नियुक्त किया गया था। अपने शुरुआती महीनों में, उसने कई ऐसी नीतियों और कार्यक्रमों को लागू किया, जिससे शिक्षा मंत्रालय के कामकाज में सकारात्मक बदलाव आ रहे थे तथा प्रतिष्ठा में वृद्धि हो रही थी, जो आगामी चुनावों में संबंधित मंत्री के लिए लाभकारी हो सकती थी।

हालांकि, जय को अब एक महत्वपूर्ण चुनौती का सामना करना पड़ रहा है। अपनी जिम्मेदारियों के भाग के रूप में, उसे सरकारी स्कूलों के लिए नए शिक्षकों की भर्ती को मंजूरी देनी होगी। उसे रिक्त पदों के लिए अनुशंसित 120 उम्मीदवारों की सूची प्राप्त हुई है, लेकिन उसे यह संदेह है कि भर्ती प्रक्रिया अनुचित थी। जय को कई शिकायतें भी प्राप्त हुई थीं, जिनमें दावा किया गया था कि यह भर्ती प्रक्रिया योग्यता आधारित नहीं थी।

समीक्षा करने पर, जय को ऐसे साक्ष्य प्राप्त हुए जो यह स्पष्ट करते हैं कि सूची में कई नाम राजनीतिक संरक्षण का परिणाम हैं। राजनीतिक संरक्षण राज्य में एक प्रचलित मुद्दा है, जहां राजनेता राजनीतिक समर्थन प्राप्त करने के लिए भर्ती का उपयोग करते हैं। जय का मानना है कि चुनाव नजदीक होने के कारण शिक्षा मंत्री भी इस कार्य में संलग्न है।

यह स्थिति जय को एक पुरानी घटना की याद दिलाती है जब एक जूनियर अधिकारी के रूप में, उसने एक अनावश्यक खरीद अनुरोध को स्वीकार करने से इनकार कर दिया था। परिणामस्वरूप, उसे एक सप्ताह के भीतर ही स्थानांतरित कर दिया गया तथा उसे और उसके परिवार को बदले की कार्रवाई के रूप में तुच्छ भ्रष्टाचार के आरोपों का सामना करना पड़ा। उसके स्थान पर नियुक्त अधिकारी ने और भी उच्च दरों पर खरीद को मंजूरी दे दी।

जय अब इस बात को लेकर चिंतित है कि मौजूदा भर्ती को रोकने से ऐसे ही परिणाम सामने आ सकते हैं। इसके अलावा, उसे भय है कि यदि वह इस अनुचित भर्ती प्रक्रिया के खिलाफ खड़ा होता है तो शिक्षा मंत्रालय में उसके द्वारा व्यक्तिगत रूप से शुरू की गई परियोजनाओं को समाप्त किया जा सकता है।

- (a) शिक्षा विभाग के आयुक्त के रूप में जय के पास क्या विकल्प उपलब्ध हैं? इनमें से प्रत्येक विकल्प का मूल्यांकन कीजिए।
- (b) जय को कौन-सा विकल्प अपनाना चाहिए और क्यों?
- (c) जय जैसे सिविल सेवकों को अपने दायित्वों के निर्वहन में नैतिक मानकों को बनाए रखने के प्रयास के दौरान बेहतर सुरक्षा कैसे प्रदान की जा सकती है? (250 शब्दों में उत्तर दीजिए)

Jay, a civil servant, was appointed as the Commissioner in the state's Education Department a year ago. In his initial months, he implemented several policies and programmes that were transforming the Education Ministry's operations, gaining a good reputation that could potentially benefit the concerned minister in the upcoming elections.

However, Jay now faces a significant challenge. As part of his responsibilities, he must approve the recruitment of new teachers for government schools. He has received a list of 120 candidates recommended for vacant posts, but suspects the recruitment process was unfair. Jay had also received several complaints claiming that the process had not been meritocratic.

Upon review, Jay discovers evidence suggesting that many names on the list are the result of political patronage - a prevalent issue in the state where politicians use recruitment to gain political support. Jay believes the Education Minister is engaging in this practice as the election season approaches.

This situation reminds Jay of a past incident when, as a junior officer, he refused to entertain an unnecessary procurement request. Consequently, he was transferred within a week, and he and his family faced frivolous anti-corruption complaints as retaliation. His successor approved the procurement at even higher rates.

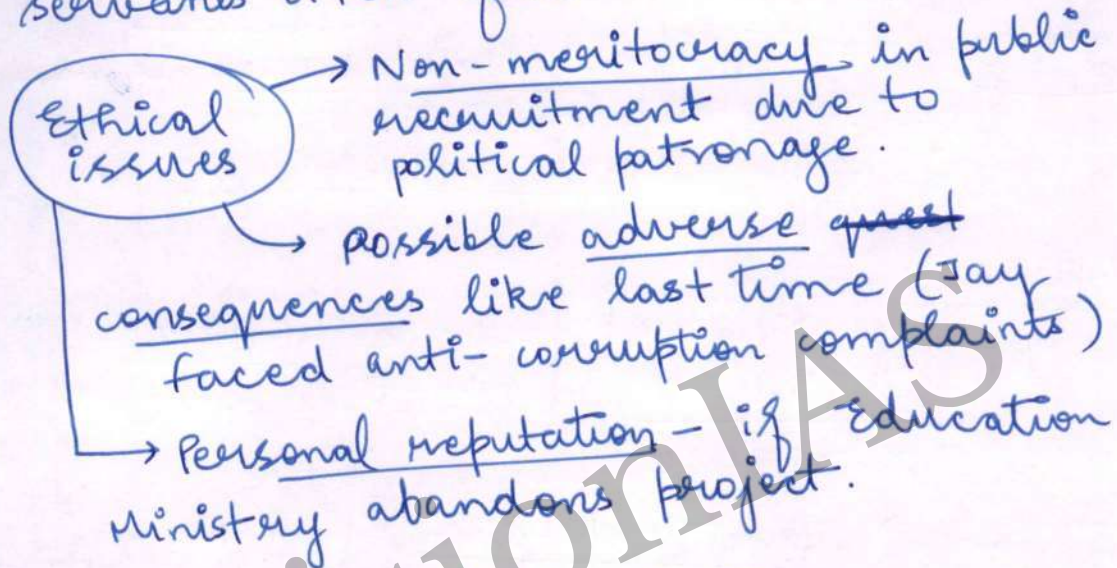
Jay is now concerned that blocking the current recruitment could lead to similar consequences. Moreover, he fears that the projects he personally initiated in the Education Ministry might be abandoned if he takes a stand against this unfair recruitment process.

- (a) What are the options available to Jay as the Commissioner of the Education Department? Evaluate each of these options.
- (b) What option should Jay adopt and why?
- (c) How can civil servants like Jay be better protected when they attempt to uphold ethical standards in their work? (Answer in 250 words)

उम्मीदवारों को इस हिसाब में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

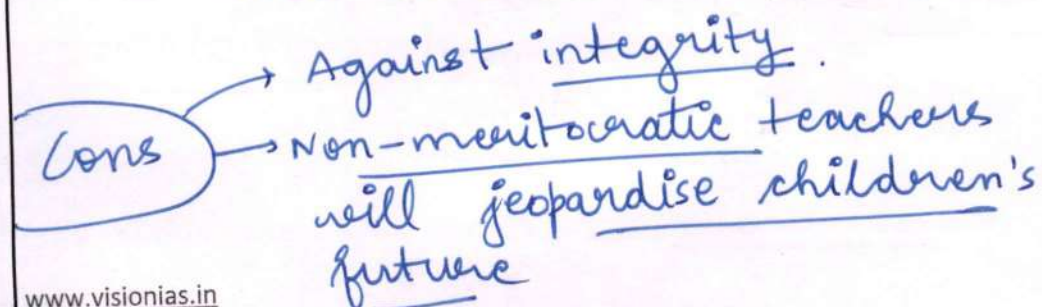
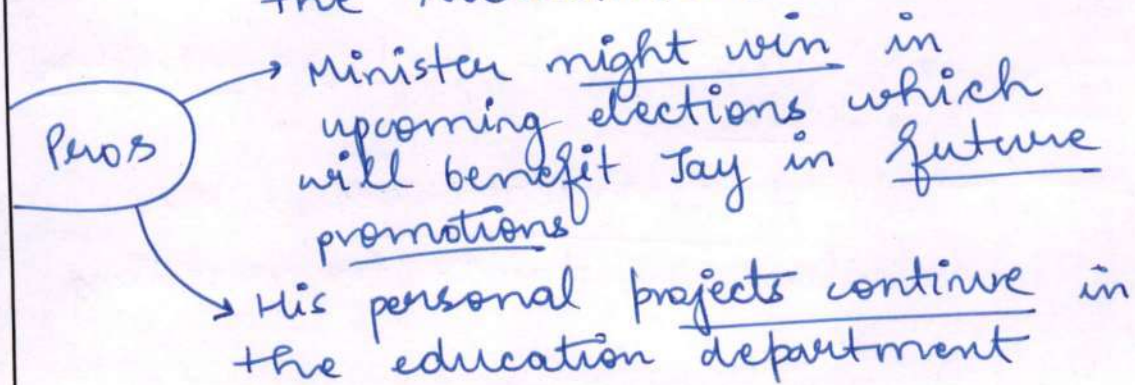
20

The above case involves the classic dilemma of personal gain v/s professional integrity which civil servants often face in their careers.



Ⓐ Options available to Jay.

Option 1 - Take no action and allow the recruitment.



Option 2 - leak the evidence to media

Pros → Outrage might stop the illegal recruitment
→ Issue will be raised to highest levels

Cons → Media might be suppressed
→ Issue might not blow up in media
→ Possible adverse consequence or suspicion

Option 3 → Report to the state's Chief Minister about the political patronage

Pros → Direct reporting to CM will ensure immediate action
→ Upholds the process of integrity
→ Minister will get reprimanded

Cons → CM might ask to do as minister says
→ Adverse consequences like frivolous complaints for reporting.

Option 4 - Refuse the recruitment process. and reorder examination

Pros

- In line with bureaucratic integrity
- Reexam will ensure meritocratic entry

Cons

- High chances of adverse consequences
- Possible transfers
- Project under ministry will be abandoned

⑥ Jay should adopt Option 3 first of reporting to CM first and if no action taken, he should go for Option 4.

This is because integrity requires a civil servant to be true to this duty and uphold public faith. This will be in line with → 'Yato dharmastato jayah:' → Truth alone I uphold.

⑦ Protection for civil servants like Jay

① Ensure a transparent and independent authority for promotions, transfers etc.

- उम्मीदवारों
इस हिसाब
नहीं लिखना
चाहिए
Candida
must not
write on
this mar
- ② Ensuring a transparent performance evaluation procedure to incentivize honest actions.
 - ③ Code of ethics for ministers as recommended by 2nd ARC.
 - ④ Reduction in political interference in day to day workings of bureaucracy.
 - ⑤ Making stringent evidence necessary for filing corruption complaints to deter frivolous complaints.

The Public Service Code and Public Service Authority recommended by 2nd ARC can be a good step in this direction.

9.

X शहर के जिला मजिस्ट्रेट के रूप में, आपको शहरी वन क्षेत्र में एक नए मेट्रो डिपो के निर्माण की देखरेख का दायित्व सौंपा गया है, जो सार्वजनिक परिवहन में सुधार करने और यातायात की भीड़ एवं वायु प्रदूषण को कम करने के उद्देश्य से एक महत्वपूर्ण अवसंरचनात्मक परियोजना है। हालांकि, इस परियोजना के लिए वन के एक बड़े हिस्से को साफ करने की आवश्यकता है, जिसका पर्यावरण कार्यकर्ताओं, स्थानीय निवासियों और गैर-सरकारी संगठनों ने कड़ा विरोध शुरू कर दिया है। इस वन को प्रायः शहर के "फेफड़े" के रूप में संदर्भित किया जाता है और शहर के पारिस्थितिक संतुलन के लिए व्यापक रूप से आवश्यक माना जाता है।

पर्यावरण संबंधी चिंताओं के अलावा, दो वर्ष में होने वाले आगामी चुनावों को देखते हुए, परियोजना को शीघ्र पूरा करने के लिए राज्य स्तर पर राजनेताओं की ओर से भी आप पर काफी दबाव है। राजनीतिक नेतृत्व शहर के विकास हेतु मेट्रो परियोजना के लाभों और चुनावी समर्थन प्राप्त करने की इसकी क्षमता पर बल दे रहा है।

इस परियोजना से हजारों यात्रियों के लिए यात्रा का समय उल्लेखनीय रूप से कम होने और शहर में वाहनों से होने वाले उत्सर्जन में संभावित कमी आने की उम्मीद है। हालांकि, इससे हजारों वृक्षों की क्षति भी होगी और स्थानीय पारिस्थितिकी तंत्र बाधित होगा।

जब आप कोई निर्णय लेने की तैयारी करते हैं, तो आप जानते हैं कि आपके निर्णय के शहर के विकास और उसके पर्यावरण, दोनों पर दूरगामी परिणाम होंगे।

- उपर्युक्त प्रकरण में शामिल नैतिक दुविधाओं की पहचान कीजिए।
- उपर्युक्त स्थिति में आपके समक्ष उपलब्ध विकल्पों का मूल्यांकन कीजिए। आप इनमें से किस विकल्प को चुनेंगे और क्यों?
- भविष्य की परियोजनाओं में शहरी विकास संबंधी आवश्यकताओं और पर्यावरण संरक्षण के बीच संतुलन स्थापित करने के लिए कुछ उपाय सुझाइए। (250 शब्दों में उत्तर दीजिए)

As the District Magistrate of X city, you are responsible for overseeing the construction of a new metro depot in an urban forest area, which is a critical infrastructure project aimed at improving public transportation and reducing traffic congestion and air pollution. The project, however, requires the clearance of a substantial portion of the forest, which has triggered strong opposition from environmental activists, local residents, and NGOs. This forest is widely regarded as essential for the city's ecological balance, often referred to as the city's "lungs."

In addition to the environmental concerns, you are under considerable pressure from politicians at the state-level to expedite the project, given the upcoming elections in two years. The political leadership emphasizes the benefits of the metro project for the city's development and its potential to garner electoral support.

The project is expected to significantly reduce travel time for thousands of commuters and potentially decrease overall vehicle emissions in the city. However, it would also lead to the loss of thousands of trees and disrupt local ecosystems.

As you prepare to make a decision, you are aware that your choice will have far-reaching consequences for both the city's development and its environment.

- Identify the ethical dilemmas involved in the above case.
- Evaluate the options available to you in the above situation. Which of these would you choose and why?
- Suggest some measures that could be implemented to balance urban development needs with environmental conservation in future projects. (Answer in 250 words)

20

Many a times development comes in contradiction with environmental protection and this case is a clear depiction of the same.

① Ethical dilemmas involved

- ① Development v/s environmental protection → as the development of metro depot will require forest clearance.
- ② Personal benefit v/s environmental ethics
↳ as if given approval, the politicians might win elections and give promotions.
- ③ Public needs v/s Planet needs
↳ as the creation of the metro depot will reduce travel time for commuters.
- ④ Means v/s Ends - as metro will reduce overall emissions but at the cost of local ecosystems.

⑤ Options available in above situation

Option 1 → Take no action and allow project to continue

Pros

- Politicians benefitted and it might benefit me.
- Travel time will reduce for commuters.

Cons

- Disruption of local ecosystems.
- loss of thousands of trees.

Option 2 → Recommend refusal and scrapping of project.

Pros

- Trees saved
- local ecosystems also not disrupted

Cons

- Public will not get benefit of the metro
- Possible transfer and the next PM might allow project.

Option 3 - Conduct a detailed Environmental Impact Assessment (EIA)

Pros

- Will inform about the possible benefits of emission reduction over tree cutting
- Will also pacify the residents and NQOs

Cons

- Project will get delayed
- No benefits to ministers ⇒ future adverse consequences

(as the DM)

I will choose option 3 first to conduct a detailed EIA so that the positives and negatives of project can be known.

If the positives overweigh negatives
↳ I will allow the project to continue

else, I will recommend scrapping of project.

This will be in line with the scientific principles and will balance the needs of public with needs of environment. It will ~~be~~ help in ensuring sustainable development

① Measures to be implemented.

① Making EIA mandatory for every project which involves felling/cutting of trees.

② Ensure proper measures under Forest Conservation Act are taken

↳ funds related to net present value
↳ compensatory afforestation

③ Spreading public awareness about environment to raise environmental consciousness

Thus, public servants must ensure a balanced approach towards development to help India attain the Sustainable Development Goals.

VisionIAS

10. डॉ. मेहरा भारत की एक अग्रणी फार्मास्युटिकल कंपनी में वरिष्ठ ड्रग डेवलपर हैं, जो चिरकालिक और दुर्लभ रोगों के उपचार हेतु महत्वपूर्ण जीवन रक्षक दवाओं सहित विभिन्न दवाओं का उत्पादन करने के लिए प्रसिद्ध हैं। अपनी स्थापना के बाद से ही, कंपनी ने अपनी दवाओं की गुणवत्ता और वहनीयता पर बल दिया है।

हाल ही में, संशोधित सरकारी दिशा-निर्देशों के तहत, फार्मास्युटिकल कंपनियों के लिए सामग्रियों (Ingredients) पर परीक्षण से "संतोषजनक परिणाम" प्राप्त करने के बाद ही तैयार उत्पाद का विपणन करने का प्रावधान किया गया है। इसके अतिरिक्त, उन्हें दवाओं के किसी बैच के बार-बार परीक्षण या सत्यापन के लिए मध्यवर्ती और अंतिम उत्पादों, दोनों के पर्याप्त मात्रा में नमूने रखने होंगे।

डॉ. मेहरा की टीम एक दुर्लभ लेकिन जानलेवा रोग के लिए एक नई दवा विकसित करने के अंतिम चरण में है। नैदानिक परीक्षणों में इस दवा के आशाजनक परिणाम प्राप्त हुए हैं। हालांकि, दवा के दीर्घकालिक दुष्प्रभावों के बारे में अनसुलझी चिंताएं विद्यमान हैं, जो परीक्षण में शामिल विषयों में अत्यधिक कम प्रतिशत के रूप में देखी गई हैं। इसके बावजूद, कंपनी ने पिछले एक दशक में कोई भी महत्वपूर्ण दवा जारी नहीं की है, जिससे बोर्ड के सदस्यों की ओर से दवा की रिलीज़ में तेज़ी लाने के लिए काफी दबाव है।

- उपर्युक्त प्रकरण में शामिल हितधारकों की पहचान कीजिए।
- डॉ. मेहरा द्वारा सामना किए जाने वाले नैतिक मुद्दों पर चर्चा कीजिए।
- उपर्युक्त प्रकरण में डॉ. मेहरा के पास उपलब्ध विकल्पों का विश्लेषण कीजिए। आप इनमें से किसे चुनेंगे और क्यों? (250 शब्दों में उत्तर दीजिए)

Dr. Mehra is a senior drug developer at a leading pharmaceutical company in India, renowned for producing various medications, including lifesaving drugs critical for treating chronic and rare diseases. Since its inception, the company has emphasized the quality and affordability of its drugs.

Recently, under revised government guidelines, pharmaceutical companies are required to market a finished product only after obtaining "satisfactory results" from tests on the ingredients. Additionally, they must retain a sufficient quantity of samples of both intermediate and final products to allow repeated testing or verification of a batch.

Dr. Mehra's team is in the final stages of developing a new medication for a rare but life-threatening disease. This drug has shown promising results in clinical trials. However, there have been unresolved concerns about the long-term side effects of the drug, observed in a small percentage of trial subjects. Despite this, the company has not released any major drug in the past decade, leading to significant pressure from the board members to expedite the drug's release.

- Identify the stakeholders in the above case study.
- Discuss the ethical issues faced by Dr. Mehra.
- Analyse the options available to Dr. Mehra in the above case. Which of these would you choose and why? (Answer in 250 words)

20

Medical ethics are one of the most important principles in medical science to ensure public safety and trust. This case study shows just that.

(a) Stakeholders

- ① Dr. Mehra → senior drug developer
- ② Dr. Mehra's team
- ③ Pharmaceutical company → represent-
ed by the board members.
- ④ Government
- ⑤ Public at large.

(b) Ethical issue faced:

- ① Intellectual integrity - as Mr. Mehra
knows there are some unsolved
concerns regarding long-term
side effects
- ② Loyalty towards company - to
maintain brand reputation as
company as released no major
drug recently.
- ③ Patient safety - as the long-term
effects might be hazardous.
- ④ Violation of law - as government
guidelines clearly say launching
only after 'satisfactory results'
- ⑤ Poor corporate governance - with
board only caring about company
and not the people.

⑥ Brand value - might be dented if bad long-term effects as company has emphasized quality

⑦ Options available to Dr. Mehera

Option 1 - Give in to pressure and expedite drug release

Pros

- Company brand might get a boost
- Possible benefits for Mr. Mehera and his team.
- Treatment of life-threatening disease available.

Cons

- Might endanger patient safety in long-run.
- Violation of guidelines.

Option 2 - Blank refusal from expediting release.

Pros

- Patient safety is maintained
- In line with medical ethics

Cons

- Brand value of company deteriorates
- Board members might take adverse steps against doctor and his team.

Option 3 - Take board members into confidence regarding repercussions, at same time expedite study on long-term effects.

Pros

- Board members might understand and give more time
- Expedited study will resolve concerns comparatively faster

Cons

- Delay in drug release
- Board members might not agree to the release delay.

Dr. Mehra should first go by option 3 to ensure that board members understand about the risks involved. If they still do not agree, and pressure for early release, Dr. Mehra should go by option 2 and refuse early release.

This is in line with Kant's categorical imperative as humans cannot be used as a means towards an end. Moreover corporate governance involves intellectual honesty according to

Meayn King.

In such situations, Helsinki
Declaration of Medical ethics can be
utilised.

VisionIAS

11.

आपको राज्य शहरी विकास विभाग में अंडर सेक्रेट्री के पद पर नियुक्त किया गया है। विभाग को एक प्रतिष्ठित परियोजना का कार्य सौंपा गया है जिसका उद्देश्य शहरों की अत्यधिक ऐतिहासिक महत्व वाली अवसंरचना को पुनर्जीवित करना है। इस परियोजना के बारे में आप बेहद उत्साहित हैं, जिसमें सार्वजनिक परिवहन का आधुनिकीकरण करना, विरासत भवनों का जीर्णोद्धार करना और शहर के सांस्कृतिक पहलू को संरक्षित करते हुए हरित स्थान का सृजन करना शामिल है।

इस अवसर से उत्साहित होकर, आपने कई सप्ताह तक शोध करके एक व्यापक प्रस्ताव तैयार किया। आपकी योजना में संधारणीय विकास, सामुदायिक जुड़ाव और शहरी नियोजन के लिए प्रौद्योगिकी का लाभ उठाने के लिए अभिनव विचार शामिल थे। आपने अपने सहयोगियों को प्रेरित करने और परियोजना को गति देने की आशा से विभागीय बैठक में ये प्रारंभिक योजनाएं प्रस्तुत कीं।

हालांकि, आपके उत्साह को उदासीनता का सामना करना पड़ा। आपके सहयोगियों ने बहुत कम रुचि दिखाई तथा वे परियोजना के लिए विचारों या प्रयासों का योगदान करने में विफल रहे। चिंतित होकर, आपने अपने वरिष्ठ को उत्साह की कमी की सूचना दी, जो इस परियोजना के प्राधिकारी भी हैं। आपकी निराशा के लिए, वे भी उतना ही उदासीन लग रहे थे, उन्होंने सहजता से उल्लेख किया कि वे छह महीने में सेवानिवृत्त होने वाले हैं और इस परियोजना की अवधि अधिक लंबी है।

परियोजना को सफल होते देखने के लिए दृढ़ संकल्पित होकर, आपने इसे आगे बढ़ाने की जिम्मेदारी अपने ऊपर ले ली। पिछले दो महीनों से, आप अपने परिवार के साथ समय व्यतीत करने के अवसरों का त्याग करते हुए, दिन में 12 घंटे से अधिक, अक्सर देर रात तक काम कर रहे हैं। आपका समर्पण इस परियोजना की शहर के निवासियों के जीवन को बदलने और भावी पीढ़ियों के लिए शहर की समृद्ध विरासत को संरक्षित करने की क्षमता में आपके विश्वास से प्रेरित है।

परियोजना के दो महीने बाद मुख्य सचिव द्वारा समीक्षा बैठक बुलाई जाती है। बैठक के दौरान, विभिन्न क्षेत्रों के विभाग प्रमुख वर्तमान में जारी और आगामी परियोजनाओं पर चर्चा करने के लिए उपस्थित होते हैं। जब शहरी पुनरुद्धार परियोजना प्रस्तुत करने का समय आता है, तो आपका बॉस अथवा वरिष्ठ खड़ा हो जाता है। आपको आश्चर्य होता है कि वह आपके ड्राफ्ट प्रस्ताव को अपने काम के रूप में प्रस्तुत करता है और नवीन विचारों एवं व्यापक योजना का सारा श्रेय ले लेता है।

जब आप वहां बैठे हुए अपने वरिष्ठ को आपकी कड़ी मेहनत को अपना बताते हुए सुनते हैं, तो आप क्रोध, निराशा और मनोबल की कमी को संयुक्त रूप से महसूस करते हैं। यह घटना न केवल आपके प्रयासों को कमजोर करती है बल्कि आपको ऐसी कार्य संस्कृति में अपने समर्पण के मूल्य पर भी प्रश्न उठाने के लिए विवश करती है जो सहयोग का समर्थन नहीं करती है या व्यक्तिगत योगदान को मान्यता नहीं देती है।

(a) इस प्रकरण में शामिल नैतिक मुद्दों पर चर्चा कीजिए।

(b) उपर्युक्त कार्य संस्कृति कार्यस्थल पर मनोबल और उत्पादकता को किस प्रकार प्रभावित करती है?

(c) आपके पास क्या विकल्प उपलब्ध हैं और आप इस स्थिति का समाधान किस प्रकार करेंगे? (250 शब्दों में उत्तर दीजिए)

You have been appointed as the Under Secretary in the State Urban Development Department. The Department has been tasked with a prestigious project aimed at revitalizing the infrastructure of a city with deep historical significance. This project, which you are extremely passionate about, involves modernizing public transportation, restoring heritage buildings, and creating green spaces while preserving the city's cultural essence.

Excited by the opportunity, you spent weeks researching and drafting a comprehensive proposal. Your plan included innovative ideas for sustainable development, community engagement, and leveraging technology for urban planning. You presented these initial plans in a departmental meeting, hoping to inspire your colleagues and kickstart the project.

However, your enthusiasm was met with indifference. Your colleagues showed little interest, failing to contribute ideas or efforts towards the project. Concerned, you reported this lack of enthusiasm to your immediate superior, who is also the authority for this project. To your dismay,

he seemed equally indifferent, casually mentioning that he is set to retire in six months and that the project has a long gestation period.

Determined to see the project succeed, you took it upon yourself to drive it forward. For the past two months, you have been working more than 12 hours a day, often late into the night, sacrificing time with your family. Your dedication is driven by your belief in the project's potential to transform the lives of the city's residents and preserve its rich heritage for future generations.

Two months into the project, a review meeting is called by the Chief Secretary. During the meeting, Department heads from various sectors are present to discuss ongoing and upcoming projects. When it is time to present the urban revitalization project, your boss stands up. To your shock, he presents your draft proposal as his own work, taking all the credit for the innovative ideas and comprehensive planning.

As you sit there, listening to your superior claim your hard work as his own, you feel a mix of anger, disappointment, and demoralization. This incident not only undermines your efforts but also leaves you questioning the value of your dedication in a work culture that does not seem to support collaboration or recognize individual contributions.

- (a) Discuss the ethical issues involved in this case.
- (b) How does the above-mentioned work culture affect workplace morale and productivity?
- (c) What are the options available to you and how would you address the situation? (Answer in 250 words)

20

'Work culture determines the success of any organisation'. This case study is a depiction of a toxic work culture with lack of intellectual integrity.

① Ethical issues involved

- ① Lack of interest - among the civil servants with respect to public work.
- ② Missing dedication to public service - among other civil servants
- ③ Poor leadership - with immediate superior also being indifferent.
- ④ Lack of intellectual honesty - amongst the boss claiming others' work as his own.

⑤ Toxic work culture - with one person doing 12 hours of work and others claiming credit

⑥ Underevaluation - of hard work done by a civil servant which causes demoralization.

⑦ Effect of above-mentioned work culture on workplace morale and productivity.

Workplace Morale

- causes demoralization of hard-working employees
- Generates anger which might lead to retributive actions against organization
- Causes disillusionment and also threatens collaboration with other members.

Productivity

- Reduces motivation for hard work.
- Employee becomes indifferent to organization's goals.
- Employee depict very low productivity
- Might start following quiet quitting (only 9-5 work)

and nothing else)

② Options available ~~to~~ in this case —

Option 1 — Do nothing and just tolerate the incident.

Pros → No action from superior

Cons → No future improvement
→ loss of motivation to work.

Option 2 — Talk to boss regarding his lack of intellectual honesty

Pros → He might feel ashamed
→ Might report correctly to Chief Secretary

Cons → Become angry and reprimand me
→ Adverse consequences in future

Option 3 — Directly report toxic work environment to Chief Secretary.

Pros → He might take action such incidents
→ Future efforts to build good environment

Method to address the situation

- ① Not interrupt in the review meeting
- ② After the meeting, talking to the boss regarding the negative feelings due to his action.
- ③ Explain the boss regarding indifferent approach of colleagues due to the toxic work culture.
- ④ If boss does not realize or apologise, direct report to the Chief Secretary

This is because tolerating toxic work environment is bad for mental health and creates grounds for animosity and discontent. It is imperative for the seniors to show leadership and appreciate juniors just like Satish Dhawan did with A.P.J Abdul Kalam.

12.

अरुण अपनी सत्यनिष्ठा और समर्पण के लिए प्रसिद्ध है। हाल ही में, उसने राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड में अधीक्षक की भूमिका संभाली है। यह पोस्टिंग, केवल एक वर्ष में उसकी चौथी पोस्टिंग है, जिसमें पर्यावरणीय प्रभाव आकलन (EIA) की देखरेख की जिम्मेदारी शामिल है। अपने नए पद पर अरुण को एक महत्वपूर्ण आर्द्रभूमि, जो इस क्षेत्र के लिए प्राथमिक जल स्रोत के रूप में कार्य करती है, के निकट स्थित एक तांबा प्रगलन संयंत्र के बारे में पता चलता है।

उस संयंत्र के भारी प्रदूषण कर्ता के रूप में कुख्यात होने के बावजूद, अध्यक्ष द्वारा अरुण को प्रस्तुत किया गया वर्तमान EIA, आर्द्रभूमि पर इससे किसी गंभीर प्रभाव को नहीं दर्शाता है। अगले दो वर्षों के लिए कोई अन्य आकलन निर्धारित नहीं किया गया है।

एक दिन, अरुण को विपक्षी दल से जुड़े एक राजनेता से एक पत्र प्राप्त होता है। इस पत्र में ऐसे साक्ष्य हैं जो बताते हैं कि वर्तमान EIA परिणाम फ़र्जी प्रयोगशाला रिपोर्टों पर आधारित हैं, जिन्हें कथित तौर पर अध्यक्ष द्वारा अनुमोदित किया गया है। अध्यक्ष के सत्तारूढ़ दल के साथ घनिष्ठ संबंध हैं, जिसे संयंत्र के संचालकों से पर्याप्त दान प्राप्त होता रहा है।

विपक्षी राजनेता ने अरुण से विभाग के अंदर से ही अध्यक्ष को बेनकाब करने का आग्रह किया और यह तर्क दिया कि यह दृष्टिकोण प्रभावी रूप से सरकार पर एक नया EIA आयोजित करने के लिए दबाव डाल सकता है। वह अरुण से वादा करता है कि उनके दल के सत्ता में आने, जिसकी हालिया जनमत सर्वेक्षणों में संभावना व्यक्त की गई है, पर उसे महत्वपूर्ण पुरस्कार और समर्थन मिलेगा।

यद्यपि प्रस्तुत किए गए साक्ष्य प्रभावशाली हैं, लेकिन अरुण राजनीतिक मोहरे के रूप में शोषण किए जाने की संभावना के बारे में भी सतर्क है। वह अपने कार्यों के संभावित परिणामों, उसके करियर और पर्यावरण दोनों के लिए, के बारे में पूरी तरह से अवगत है।

- (a) उपर्युक्त प्रकरण के आलोक में, कॉर्पोरेट, राजनीतिक और नौकरशाही के हितों के बीच गठजोड़ से उत्पन्न होने वाले नैतिक मुद्दों पर चर्चा कीजिए।
- (b) एक कर्तव्यनिष्ठ सिविल सेवक के रूप में, अरुण के पास उपलब्ध विकल्पों का मूल्यांकन कीजिए। उसे कौन-सा विकल्प चुनना चाहिए और क्यों? (250 शब्दों में उत्तर दीजिए)

Arun, renowned for his integrity and dedication, has recently assumed the role of Superintendent at a state Pollution Control Board. This posting, his fourth in just one year, includes the responsibility of overseeing Environmental Impact Assessments (EIAs). In his new position, Arun becomes aware of a copper smelting plant situated near a crucial wetland that serves as the primary water source for the region.

Despite the plant's notorious reputation for heavy pollution, the current EIA, presented to Arun by the Chairperson, indicates no significant impact on the wetland. The next assessment is not scheduled for another two years.

One day, Arun receives a letter from a politician affiliated with the opposition party. The letter contains evidence suggesting that the current EIA results are based on falsified lab reports, allegedly approved by the Chairperson. The Chairperson is known to have close ties with the ruling party, which has been receiving substantial donations from the plant's operators.

The opposition politician urges Arun to expose the Chairperson from within the department, arguing that this approach could effectively pressurize the government to conduct a new EIA. He promises Arun significant rewards and support once their party comes to power, an outcome suggested by recent opinion polls.

While the evidence presented is compelling, Arun remains cautious about the possibility of being exploited as a political pawn. He is acutely aware of the potential consequences of his actions, both for his career and for the environment.

- (a) In light of the above case, discuss the ethical issues that may arise from the nexus between corporate, political, and bureaucratic interests.
- (b) As a conscientious civil servant, evaluate the options available to Arun. Which option should he choose and why? (Answer in 250 words)

20

उम्मीदवारों को इस कक्ष में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

The above case study involves the unholy nexus between corporates and politicians which act as a threat to the triple bottom line of corporate governance.



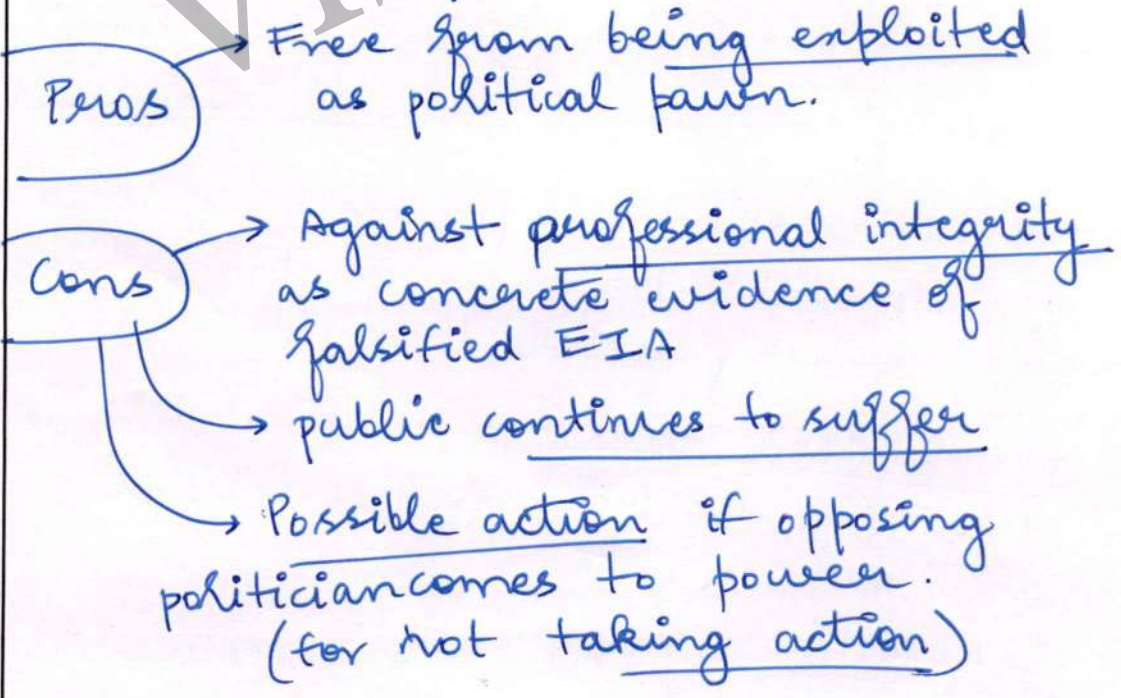
① Ethical issues due to nexus between corporate, political and bureaucratic interests -

- ① Corruption - with public servants serving politicians rather than the public.
- ② Environmental degradation - as shown by above case due to shoddy EIA.
- ③ Nishkama Karma - philosophy violated at civil servants will start working for monetary rewards.
- ④ loss of public trust - on the exposure of such nexus between politicians and bureaucrats.
- ⑤ Integrity - of the public servants and politicians is violated.

- ⑥ Adverse consequences - against ethical civil servants which deters them.
- ⑦ Public safety - is threatened because pollution (in this case), pollutes the crucial water source.
- ⑧ Poor corporate governance - practices which are overlooked by bureaucrats and politicians.
- ⑨ Quid pro quo - leading to crony capitalism which adversely affects public.

⑥ Options available to Arun

Option 1 - Ignore the evidence and allow plant to continue.



Option 2 - Expose the Chairperson as said by politician

Pros

- Pressure from government leading to new EIA.
- Significant award if party comes to power.

Cons

- Arun becomes a political pawn.
- violation of Nishkama Karma (as exposure for reward)

Option 3 - Informing the Anti-vigilance department about evidence of EIA based on falsified lab reports.

Pros

- Anti-vigilance enquiry will bust any possible corporate-bureaucrat nexus.
- Government pressured to conduct new EIA.

Cons

- Ruling party might suppress inquiry.
- Possible adverse actions against Arun by Chairperson.

Arun should go by option 3 because a job of a civil servant is to ensure public safety and

public good. It is Arjun's duty as per the value of integrity. Also it will be in line with Mills Utilitarianism as even the oppositions interests will be sensed by Anti-vigilance department inquiry

उम्मीदवारों को
इस हिसाब में
नहीं लिखना
चाहिए
Candidates
must not
write on
this margin

VisionIAS

SPACE FOR ROUGH WORK

VisionIAS

SPACE FOR ROUGH WORK

AL

VisionIAS